Monthly Syllabus: 2020-21 STD- VI

(Syllabus: STD VI)

Subject: ENGLISH

S.N	MONTHS	TOPICS/CI	HAPTERS	WRITING	VOCABU-
		LITERATURE	GRAMMAR		LARY
1	APRIL	The selfish giant Daffodils (Poem)	Revision of previous class Sentences - its kinds, sentence re-ordering, Conversion of sentences	Compre- hension	
2	MAY	Friendly Fauna(Poem)			Antonyms
3	JUNE	The Cherry tree The tree (Poem)	Articles Nouns - Its kinds Pronouns - Its Kinds	Notice	Synonyms

Subject: Science

S.N	MONTHS	TOPICS/CHAPTERS
1	APRIL	Food: Where Does It Come From?
2	MAY	Components Of Food
3	JUNE	Components Of Food (Contd) Separation Of Substances

Subject: Social Science

S.N	MONTHS	TOPICS/CHAPTERS
1	APRIL	History – What, Where And How. Geography – The Earth In The Solar System.
2	MAY	Continue With The Month Of April Chapters.
3	JUNE	Geography – Globes, Latitudes And Longitudes. Civics – Diversity.

Subject: Mathematics

S.N	MONTHS	TOPICS/CHAPTERS
1	APRIL	Number System
'	711 1112	Factors and Multiples
2	MAY	Factors and multiples(continued)
2		Whole numbers
3	JUNE	Integers
		Fractions

Subject: Comp Science

S.N	MONTHS	TOPICS/CHAPTERS
1	APRIL	Ch.1-Computational Thinking Ch.2 -Computer Languages
2	MAY	Ch.2 -Computer Languages(Contd.)
3	JUNE	Ch.3-More On Windows 7 Ch.4-Using Mail Merge



Monthly Syllabus: 2020-21 STD- VI

Subject: General Knowledge

S.N	MONTHS	TOPICS/CHAPTERS
1	APRIL	10 Current affairs (5 National & 5 International)
2	MAY	10 Current affairs (5 National & 5 International)
3	JUNE	10 Current affairs (5 National & 5 International)

Note: Write 10 Current affairs from Newspaper in your Previous Year G.K Copy

Subject: HINDI

	क्षा-VI विसंबंधरी रोड ,सिद्योड़ हा४ - 2020 - 21	कूल फोर रक्सीलेस 1. जमगेदपुर विद्या-दिन्दी
महीता	41.61.	
	अन्यास - तिंग परचाल व पखिर्तल । उपनात्मक कार्म - वेंग्च संमा अवदों का लिंग परिवर्तल अवदों व वाक्यों द्वारा । अर्थास - परिकामा, चीद व उदाहरणा। अर्थास - वचल पहचाल व परिवर्तल । स्पनात्मक कार्म - वचल पिन्तिल अवदों व वाक्यों द्वारा। अस्पालन अद्याल - अर्थास के लिस् विस्ता अर्थास के अर्थन-	अगारी (किन्ता) - कवित अवद अवदर्श, सावार्थ, प्रश्न उत्तर न नानन निर्माण । अग्रास - नगवार्थ व कविता भव करें। रचतारक्षक कार्य — प्रातः काल का चित्र बतार्थ व प्रातः काल की सेर से होने वार्ष लाम का वर्षत करें।
बाई	* विनोस अव्द - परिमाण, अव्द व उदाहरण । अभ्यास - रिक्त स्थान व अव्दों का विनोस। स्पतात्मक कार्म - अव्दों का विनोस अर्थ लिखकर वाक्य निर्माण । * लिखकर वाक्य मिर्माण । हसरा ट्यारा सारत	अ निमाना - अस्ति गाल, जालवार्षे लेखन परिचम व पार पढ़े। अनेकास - प्रथत- उत्तर व वानगानिका। रचनात्मक कार्ष - (संबंध नेखन) ने दी निमों के बीच किसी विसम पर बात-जीत।

पूर्व * काल - परिमाण सेंद व उदाहरण * इ्र का अलर्भ - कीवन म्यद् कर्वि अभ्यास - काल पहचाने व अन्य अभ्यास न पाठ पहे व सभी प्रमा का हाभी नालों में परिनित नहें। अन्य अभ्यास न पाठ पहे व सभी प्रमा का इस प्रभागवाची भावद - परिमाण व भावद। स्वानस्था कार्म न पार में पानी बेन्यर अभ्यास - तीन नीन पर्यामवाची स्वानस कार्म न स्वी स्व अलार्भ पानी श्रिक्षे । स्वारमक कार्म - विम पहन्यान कर पर्यामवाची कार्म !



Monthly Syllabus: 2020-21 STD- VI

Subject: Sanskrit

	रुस. डी. एस. रुम. रकून फॉर रुक्सीलेंस		
	। उस्पेसरा राड, सिद्धांडा ज्या रीत्या		
A	सत्र: 2020 - 2021		
कह्या:	प्रा. विषय: संस्कृत		
महीना			
	the state of the s		
अप्रैल	संस्कृत वर्णमाला : स्वर तबा व्यंजन की पहचान,		
	व्यंजन में स्वर लोडना ।		
7.5	संयुक्त व्यंजन ।		
1	The state of the s		
	रचनात्मक क्रियाकलाप:		
124			
	1. स्वर तथा व्यंजन सहित उसकी संख्या विसे । 11. व्यंजन में स्वर जीड़कर क्रिसें।		
	भा. संयुक्तव्यंजन की परिभाषा विश्वें।		
	ता. संयुक्त ध्यान का पारमान । छन्त ।		
	अकारान्त पुँक्लिंग शब्द :- स्फक्चन: - प्रथमपुरूप ,		
	क्षावचन के अध		
	शब्दीं की जानकारी देना (जैसे: नर:, अवद:, अज्ञः)		
	STATE A STATE !		
	11300 3 STOY TAILS		
	3. श्रीरकृत में नाम लिखें. 4. पुं- शब्दी का चार करवार ।		
	3		
मई	अकाराज्य पुँदिलंखा बाहद प्रश्रम पुरुध, डिक्चम: इस पाठ र		
*12	अकारान्त पुल्लिं शास्त प्रयम् प्रमान		
	इस्दों की जानकारी देना । जसे : अन्त्री , कालकी इत्यादि ।		
	3 4 4 4		
	शालदार्थाः		
	अल्दायाः विस्तावस्थापः १. संस्कृत अल्द्र शिखें , १. संस्कृ		
	उन्नानात्मक कियावस्थाप : 1. वस्तु ६ वर्ष		
	रचनात्मक कियावस्ताप : 1. संस्कृति हिन्दी अर्थ लिखे,		
	रचनात्मक कियावस्ताप : 1. संस्कृति हिन्दी अर्थ लिखे,		
	उन्नानात्मक कियावस्थाप : 1. वस्तु ६ वर्ष		
	रचनात्मक कियावस्ताप : 1. संस्कृति हिन्दी अर्थ लिखे,		
S 10	रचनात्मक कियाकलाप : 1. स्ट्रिंग हिन्दी अर्थ लिखे, बाब्दों के हिन्दी अर्थ लिखे, उ. रिक्त स्थान, ४. स्कवचन, दिवसन शब्दों की स्थव करें। इ. चित्र के दुषारा दीनों वस्त्री की पहचान, चरिव		
S 15	रचनात्मक कियावकाप : 1. सहरू निर्मी अर्थ लिखें, बाबदीं के हिन्दी अर्थ लिखें, बाबदीं के हिन्दी आर्थ लिखें, उ. रिक्त स्थान, ४. रुक्तवचन, दिवचन शब्दों की प्रथव करें। 5. चित्र के दुष्परा दीनों वचनी की पहचान, चरिव प्रथम ।		
: YI	रचनात्मक कियाकलाप : 1. स्ट्रिंग हिन्दी अर्थ लिखे, बाब्दों के हिन्दी अर्थ लिखे, उ. रिक्त स्थान, ४. स्कवचन, दिवसन शब्दों की स्थव करें। इ. चित्र के दुषारा दीनों वस्त्री की पहचान, चरिव		
	रचनात्मक कियावळाप : 1. स्ट्रिंग हिन्दी अर्थ लिखे, बाब्दों के हिन्दी अर्थ लिखे, उ. रिक्त स्थान, 4. रुक्तवर्गन, दिवयन शब्दों की प्रथव करें। 5. चिज्ञ के द्वारा दीने वचना की पहचान, चरिव प्रथर मंख्या - 1		
यास्टन ती	रचनात्मक कियावकाप : 1. सहित अर्थ लिखे, बाब्दी के हिन्दी अर्थ लिखे, उ. रिकत स्थान, ४. रुक्तवरान, दिवयन शब्दों की पृथव करें। 5. रिजा के द्वारा दीने वच्छों की पहचान, चार्टव पृष्ठ संख्या - 1 विध्या: संस्कृत वन्दना अर्थ सहित।		
यास्टन ती	रचनात्मक कियावकाप : 1. स्ट्रिस्ट्री अर्थ लिखे, ब्राब्दी के हिन्दी अर्थ लिखे, इ. रिक्त स्थान, ४. रुक्तवरान, दिवयन शब्दों की प्रथव करें। 5. चित्र के दक्करा दीने वच्छों की प्रध्यान, चरिव प्रथक संख्या - 1 विध्या : संस्कृत वन्द्रना अर्थ सहित । विश्याकवाप : चित्र स्वीहन कविता कंद्रस्य की तथा अर्थ		
यास्टन ती	रचनात्मक कियावकाप : 1. स्ट्रिस्ट्री अर्थ लिखे, ब्राब्दी के हिन्दी अर्थ लिखे, इ. रिक्त स्थान, ४. रुक्तवरान, दिवयन शब्दों की प्रथव करें। 5. चित्र के दक्करा दीने वच्छों की प्रध्यान, चरिव प्रथक संख्या - 1 विध्या : संस्कृत वन्द्रना अर्थ सहित । विश्याकवाप : चित्र स्वीहन कविता कंद्रस्य की तथा अर्थ		
यास्टन ती	रचनात्मक कियावकाप : 1. सहित अर्थ लिखे, बाब्दी के हिन्दी अर्थ लिखे, उ. रिकत स्थान, ४. रुक्तवरान, दिवयन शब्दों की पृथव करें। 5. रिजा के द्वारा दीने वच्छों की पहचान, चार्टव पृष्ठ संख्या - 1 विध्या: संस्कृत वन्दना अर्थ सहित।		
सारस्क <i>ती</i> जनगरभक	रचनात्मक कियावस्ताप : 1. सहित् अर्थ लिखे, बाब्दों के हिन्दी अर्थ लिखे, बाब्दों के हिन्दी अर्थ लिखे, उ. रिक्त स्थान, य. रुक्तवान, दिवसन शब्दों की पृथव करें। 5. चित्र के दूषारा दीनों वचनों की पहचान, चरिव पृष्ठ संख्या - 1 विद्या : संस्कृत वन्द्रना अर्थ सीहत । कियाक्राणाप : चित्र सीहन किया केहरूरा की तथा अर्थ भी याद कीरें। इसका स्थारण की ।		
सारस्क <i>ती</i> जनगरभक	रचनात्मक कियावकाप : 1. स्ट्रिस्ट्री अर्थ लिखे, ब्राब्दी के हिन्दी अर्थ लिखे, इ. रिक्त स्थान, ४. रुक्तवरान, दिवयन शब्दों की प्रथव करें। 5. चित्र के दक्करा दीने वच्छों की प्रध्यान, चरिव प्रथक संख्या - 1 विध्या : संस्कृत वन्द्रना अर्थ सहित । विश्याकवाप : चित्र स्वीहन कविता कंद्रस्य की तथा अर्थ		
बारस्कती जनात्मक जून →	रचनात्मक कियावस्ताप : 1. सहार्थ के हिन्दी अर्थ लिखे, बाबदों के हिन्दी अर्थ लिखे, बाबदों के हिन्दी अर्थ लिखे, उ. रिक्त स्थान, य. रुक्तवचन, दिवसन शब्दों की प्रथव करें। इ. चित्रा के दूषरा दीनों वचनों की पहचान, चरिव प्रथम : चित्र के दूषरा दीनों वचनों की पहचान, चरिव प्रथम : चन्द्रना अर्थ सिहत । कियाकलाप: चित्र सिहन कविता के स्था करें। अकारान्त वुंहिलेगा शब्द, बद्द्वयन : इस पाठ से संबंधित कुछ शब्दों की जानकारी		
बारकती चनात्मक जून →	रचनात्मक कियावस्ताप : 1. सहस्य अर्थ लिखे, बाब्दों के हिन्दी अर्थ लिखे, उ. रिक्त स्थान, य. रुक्तवचन, विवयन शब्दों की सूथव करें। इ. चित्र के दूषारा दीनों वचनों की पहचान, चरिव पृष्ठ संख्या - । विद्या : संस्कृत वन्द्रना : वन्द्रना अर्थ सीहत । क्रियाकणाप : चित्र सीहन किया केस्स्य करें तथा अर्थ भी याद करें । इसका स्मरण करें। उक्तारान्न वुँक्लिंग शब्द, बदुवचन : इस पाठ में संबंधित कुछ श्री: अरुवा: , नरा: , छाजा : इस्मादि । शब्दाची: ।		
गास्त्रती चगात्मक जून → देना । वि	रचनात्मक कियावस्ताप : 1. सहित कि हिन्दी अर्थ लिखे, बाबदों के हिन्दी अर्थ लिखे, बाबदों के हिन्दी अर्थ लिखे, उ. रिकत स्थान, य. रुकवचन, विवस्त शब्दों की प्रथव करें। इ. चित्र के द्वारा दीनों वच्छों की पहचान, चरिव प्रथम : चर्च के विद्या के तथा अर्थ की याद करें। इसका स्थरण करें। उक्तारान्त वुंक्लिंग शब्द, बदुवचन : इस पाठके संबंधित कुछ अर्थों की जानकारी सी: अर्था: , नरा: , छाजा: इत्यादि । शब्दाची: । इब्बद्धां की जानकारी शब्द लिखें, उ. रिकत स्थान,		
गास्त्रती चगात्मक जून → देना । वि	रचनात्मक कियावस्ताप : 1. सहस्य अर्थ लिखे, बाब्दों के हिन्दी अर्थ लिखे, उ. रिक्त स्थान, य. रुक्तवचन, विवयन शब्दों की सूथव करें। इ. चित्र के दूषारा दीनों वचनों की पहचान, चरिव पृष्ठ संख्या - । विद्या : संस्कृत वन्द्रना : वन्द्रना अर्थ सीहत । क्रियाकणाप : चित्र सीहन किया केस्स्य करें तथा अर्थ भी याद करें । इसका स्मरण करें। उक्तारान्न वुँक्लिंग शब्द, बदुवचन : इस पाठ में संबंधित कुछ श्री: अरुवा: , नरा: , छाजा : इस्मादि । शब्दाची: ।		
ज्ञातमक जून → देना। उ संस्कृत	रचनात्मक कियावस्ताप : 1. सिट्टी अर्थ लिखे, बाबदों के हिन्दी अर्थ लिखे, बाबदों के हिन्दी अर्थ लिखे, ब. रिकत स्थान, य. रुकवरान, विवयन शब्दों की प्रथव करें। 5. चित्र के द्वारा दीने वचनों की परचान, चरिव प्रवह संख्या - । विवयम : संस्कृत वन्दना : वन्दना अर्थ सिहत । क्रियाकलाप : चित्र सीहत किवता कंडरचा की तथा अर्थ भी याद की । इसका स्थारण की । प्रकारान्न वुंक्लिंग शब्द, बद्दवर्ग : इस पाठने संबोधन अर्थ श्री: अक्ष्या: , नरा: . छात्रा: इस्मादि । शब्दाची: । शब्द लिखे : 2. हिन्दी अर्थ लिखे : र उसन स्थान .		
चारस्कती चनात्मक जून → देला । दें संस्कृत	रचनात्मक कियावरलाय : 1. सहार्य के हिन्दी अर्थ लिखें, बार्डिय के हिन्दी अर्थ लिखें, उ. रिक्त स्थान, य. रुक्तवर्गन, दिवयन शब्दों की पृथ्व करें। 5. चित्र के दूषारा दीनों वचनों की परचान, चरिव करें। 5. चित्र के दूषारा दीनों वचनों की परचान, चरिव विद्या : संस्कृत विद्या करें तथा अर्थ भी याद करें। इसका स्मारण करें। प्रकारान्न वृंदिनंग शब्द, बहुवयन : उस पाठ से संबंधित कुछ अर्थ की जाननारी से: अञ्चा: , नरा: . छाजा: इस्मादि । अख्याची: । इसका समाव को व्यान स्थान, च और व्यवन्य वाले शब्द कियें।		
चारस्कती चनात्मक जून → देला । दें संस्कृत	रचनात्मक कियाकलाप : 1. सही के हिन्दी अर्थ लिखें, बाह्य के हिन्दी अर्थ लिखें, बाह्य के हिन्दी अर्थ लिखें, उ. रिक्त स्थान, य. रुक्त वचन, विवस्त शब्दों की खुश्य करें। इ. चित्र के दुष्परा दीनों वचनों की पहचान, चरिव खुष्ट संख्या - 1 विद्या : संस्कृत वन्दना : वन्दना अर्थ सहित । कियाकणाप : चित्र सहित किवता के रुख्य करें तथा अर्थ भी याद करें। इसका स्थारण करें। पुष्कारान्त वुंक्लिंग शब्द, बहुबबन : इस पाठ से संबंधित कुछ अर्थों की जानकारी से: अञ्चा:, नरा:, छात्रा: इर्गाहिश अर्थां की जानकारी से: अञ्चा:, नरा:, छात्रा: इर्गाहिश अर्थां की जानकारी राज्य कियें। उ. हिन्दी अर्थ लिखें, उ. रिक्त स्थान, ज ऑर बहुबबन वाले शब्द लिखें। कियाकलाप : 1. तीनों क्यों के चित्रों के चार्ट बनायें। विद्याकलाप : 1. तीनों क्यों के चित्रों के चार्ट बनायें। विद्याकलाप : 1. तीनों क्यों के चित्रों के लिए उत्सुक		
चारस्कती ज्ञातमक जून → देना । दें संस्कृत	रचनात्मक कियावरलाय : 1. सहार्य के हिन्दी अर्थ लिखें, बार्डिय के हिन्दी अर्थ लिखें, उ. रिक्त स्थान, य. रुक्तवर्गन, दिवयन शब्दों की पृथ्व करें। 5. चित्र के दूषारा दीनों वचनों की परचान, चरिव करें। 5. चित्र के दूषारा दीनों वचनों की परचान, चरिव विद्या : संस्कृत विद्या करें तथा अर्थ भी याद करें। इसका स्मारण करें। प्रकारान्न वृंदिनंग शब्द, बहुवयन : उस पाठ से संबंधित कुछ अर्थ की जाननारी से: अञ्चा: , नरा: . छाजा: इस्मादि । अख्याची: । इसका समाव को व्यान स्थान, च और व्यवन्य वाले शब्द कियें।		
चारस्कती चनारसक जून → देला । दें संस्कृत 4. दिक्स (चनारसक	रचनात्मक कियावरलाय : 1. सहीं के हिन्दी अर्थ लिखें, बाल्दों के हिन्दी अर्थ लिखें, उ. रिकत स्थान, य. रुकवार , दिवसन शब्दों की पृथव करें। 5. चित्र के दूषारा दीनों वचनों की पहचान, चरिव करें। 5. चित्र के दूषारा दीनों वचनों की पहचान, चरिव वच्दान : वन्द्रना आर्थ सिहत । विद्याकरणाय: चित्र सिहत किवता के रुखा करें तथा अर्थ भी याद करें। इनका स्मारण करें। पुष्कारान्त वुंक्लिंग शब्द, बहुववन : उस पाठ से संविधन कुछ अर्थों की जानकारी सि: अश्वा: , नरा: . छात्रा: इत्यादि । शब्दाची: । शब्दा की उत्याद किखें। उ. रिकत स्थान, च ऑर व्यवन्य वाले शब्द किखें। कियाकर्लाप: 1. मीनों वचनों के चित्रों के चरि वनायें। 2. पुंब्ले अस्म शब्द जानों के लिए उत्सुक करना ।		
चारस्कती चनात्मक जून → देला । दें संस्कृत	रचनात्मक कियावरलाय : 1. सहरी के हिन्दी अर्थ लिखें, बार्डिं के हिन्दी अर्थ लिखें, उ. रिकत स्थान, य. रुकवान, हिन्दन शब्दों की पृथव करें। 5. चित्र के दूषारा दीनी वचनी की पहचान, चरिव करें। 5. चित्र के दूषारा दीनी वचनी की पहचान, चरिव पृष्ठ संख्या - 1 विद्या : संस्कृत विद्या कि सहित । कियाक्याप : चित्र सीहन किवता के रुखा करें तथा अर्थ भी याद करें। इसका स्थारण करें। प्रकारान्त दुंग्लिंग शब्द, बदुववन : उस पाठ से संबंधित कुछ शब्दों की जानकारी की समझा । नरा: छात्रा: इत्यादि । अब्दार्था: । शब्दा स्थान । अंदि क्यान वाले शब्द किखें । कियाक्याप : 1. तीने वचनों के चित्रों के चार कनारें। 2. पुंच्ये अप्रम शब्द जाने के विषय उत्सुक करना ।		
सारस्करी ज्ञात्मक जून → देला । उ संस्कृत १. दिक्स स्मात्मक सानात्मक	रचनात्मक कियावरलाय : 1. सहीं के हिन्दी अर्थ लिखें, बार्डिं के हिन्दी अर्थ लिखें, उ. रिक्त स्थान, य. रुक्तवान, हिन्दन शब्दों की पृथ्व करें। 5. चित्र के दूषारा दीनों वचनों की पहचान, चरिव करें। 5. चित्र के दूषारा दीनों वचनों की पहचान, चरिव वन्दना : वन्दना अर्थ सिहत । विद्याकरणाप : चित्र सिहत किवता के दूरा करें तथा अर्थ भी याद करें। इनका स्मरण करें। पुक्तारान्त वुंक्लिंग शब्द, बहुवनन : उस पाठरी संबंधित कुछ अर्थों की जाननारी सि: अश्वा: , नरा: . छात्रा: इत्यादि । अख्याची: । शब्द की अर्थ के स्थान, च और वहन्य वाले शब्द किखें। विद्याकरणाप : १. तीनों वननों के चित्रों के चरि वनोथें। व. वुंब्क अत्य शब्द जानने के लिए उत्सुक करना । रचय : किया — अत्य धानुओं के लाद अन्वार के रूप कल्य स्थान, सेस्कृत शब्द , हिन्दी अर्थ,		
चारस्कती चनारमक जून → देला । दें संस्कृत १. दिक्स चनारमक	रचनात्मक कियावरलाय : 1. सहीं के हिन्दी अर्थ लिखें, बार्डिं के हिन्दी अर्थ लिखें, उ. रिक्त स्थान, य. रुक्तवान, हिन्दन शब्दों की पृथ्व करें। 5. चित्र के दूषारा दीनों वचनों की पहचान, चरिव करें। 5. चित्र के दूषारा दीनों वचनों की पहचान, चरिव वन्दना : वन्दना अर्थ सिहत । विद्याकरणाप : चित्र सिहत किवता के दूरा करें तथा अर्थ भी याद करें। इनका स्मरण करें। पुक्तारान्त वुंक्लिंग शब्द, बहुवनन : उस पाठरी संबंधित कुछ अर्थों की जाननारी सि: अश्वा: , नरा: . छात्रा: इत्यादि । अख्याची: । शब्द की अर्थ के स्थान, च और वहन्य वाले शब्द किखें। विद्याकरणाप : १. तीनों वननों के चित्रों के चरि वनोथें। व. वुंब्क अत्य शब्द जानने के लिए उत्सुक करना । रचय : किया — अत्य धानुओं के लाद अन्वार के रूप कल्य स्थान, सेस्कृत शब्द , हिन्दी अर्थ,		
सारस्करी ज्ञात्मक ज्ञात → ज्ञात । जि संस्कृत ४. दिक्स ज्ञात्मक ज्ञात्मक ज्ञात्मक	रचनात्मक कियावरलाय : 1. सहीं के हिन्दी अर्थ लिखें, बार्डिं के हिन्दी अर्थ लिखें, उ. रिक्त स्थान, य. रुक्तवान, हिन्दन शब्दों की पृथ्व करें। 5. चित्र के दूषारा दीनों वचनों की पहचान, चरिव करें। 5. चित्र के दूषारा दीनों वचनों की पहचान, चरिव वन्दना : वन्दना अर्थ सिहत । विद्याकरणाप : चित्र सिहत किवता के दूरा करें तथा अर्थ भी याद करें। इनका स्मरण करें। पुक्तारान्त वुंक्लिंग शब्द, बहुवनन : उस पाठरी संबंधित कुछ अर्थों की जाननारी सि: अश्वा: , नरा: . छात्रा: इत्यादि । अख्याची: । शब्द की अर्थ के स्थान, च और वहन्य वाले शब्द किखें। विद्याकरणाप : १. तीनों वननों के चित्रों के चरि वनोथें। व. वुंब्क अत्य शब्द जानने के लिए उत्सुक करना । रचय : किया — अत्य धानुओं के लाद अन्वार के रूप कल्य स्थान, सेस्कृत शब्द , हिन्दी अर्थ,		